1. इतिहास की संकल्पना (Concept of History)

“इतिहास” शब्द संस्कृत के “इतिहास” (इति + ह + आस) से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है —

> “यथार्थ में जो घटित हुआ था”
अर्थात — “वह कथा जो वास्तव में घटित हुई”।

अंग्रेज़ी में “History” शब्द यूनानी शब्द Historia से निकला है, जिसका अर्थ है “जांच”, “खोज” या “Inquiry” — यह शब्द Herodotus (पश्चिमी इतिहास के प्रथम इतिहासकार) द्वारा प्रयुक्त किया गया।

---

2. इतिहास की परिभाषाएँ (Definitions of History)

इतिहास के अनेक विद्वानों ने अपनी दृष्टि से इसकी परिभाषा दी है —

1. हेरोडोटस (Herodotus):

> “History is an inquiry into past events.”
(इतिहास अतीत की घटनाओं की खोज है।)

2. अरस्तू (Aristotle):

> “Poetry is more philosophical than history, because history tells what happened, poetry what could happen.”
(इतिहास बताता है कि क्या हुआ था।)

3. ई. एच. कार (E. H. Carr):

> “History is a continuous process of interaction between the historian and his facts.”
(इतिहास इतिहासकार और तथ्यों के बीच सतत संवाद की प्रक्रिया है।)

4. डॉ. ताराचंद:

> “इतिहास केवल घटनाओं का वर्णन नहीं, बल्कि उन घटनाओं का कारण और परिणाम बताने वाला विज्ञान है।”

5. सर जॉर्ज क्लार्क:

> “History is not the story of the past, but the interpretation of the past.”
(इतिहास केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि उसका विवेचन है।)

---

3. इतिहास की प्रकृति (Nature of History)

इतिहास की प्रकृति को समझने के लिए इसे निम्नलिखित दृष्टियों से देखा जा सकता है:

(क) वैज्ञानिक प्रकृति

इतिहास तथ्यों पर आधारित है — साक्ष्य (evidence), स्रोत (sources) और प्रमाणिकता (authenticity) इसका मूल है।

इतिहासकार घटनाओं की पुनर्रचना करते समय वस्तुनिष्ठता (objectivity) बनाए रखने का प्रयास करता है।

इसीलिए इतिहास को “Social Science” (सामाजिक विज्ञान) कहा जाता है।

(ख) कलात्मक प्रकृति

इतिहास केवल आंकड़ों का जोड़ नहीं; उसमें कथात्मकता (narrative) और भावनात्मक स्पर्श भी होता है।

इसलिए इसे “विज्ञान भी, कला भी” कहा जाता है।

लॉर्ड एक्टन ने कहा —

> “History is the science of mankind.”

(ग) नैतिक प्रकृति

इतिहास मानव समाज को अपने अतीत से सीखने की प्रेरणा देता है।

सही और गलत का विवेक विकसित करता है।

(घ) सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रकृति

इतिहास समाज, संस्कृति, धर्म, राजनीति, अर्थव्यवस्था, कला आदि का समन्वित अध्ययन है।

यह मानव सभ्यता के क्रमिक विकास को समझने का माध्यम है।

(ङ) गतिशील (Dynamic) प्रकृति

इतिहास स्थिर नहीं है; यह नए साक्ष्यों और दृष्टिकोणों के साथ बदलता रहता है।

उदाहरण: आज़ादी के आंदोलन या मौर्यकाल के बारे में आधुनिक पुरातात्विक खोजों से हमारी व्याख्या पहले से भिन्न हो चुकी है।

---

4. इतिहास का उद्देश्य (Purpose of History)

1. मानव समाज के अतीत का वस्तुपरक ज्ञान देना।

2. वर्तमान की समस्याओं की जड़ों को समझाना।

3. भविष्य के लिए दिशा-निर्देश देना।

4. मानवता, सहिष्णुता और राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।

---

5. संक्षेप में

तत्व	विवरण
शब्दार्थ	“जो वास्तव में हुआ” (इति + ह + आस)
विषय	मानव जीवन की घटनाएँ, संस्थाएँ, विचार और उनके परिणाम
प्रकृति	वैज्ञानिक, कलात्मक, नैतिक, सामाजिक, गतिशील
आधार	तथ्य, साक्ष्य और विश्लेषण
उद्देश्य	अतीत से वर्तमान को समझना और भविष्य के लिए मार्गदर्शन देना

निष्कर्ष

इतिहास केवल तिथियों और घटनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि यह मानव जीवन के विकास की कथा है — जिसमें व्यक्ति, समाज और सभ्यता के अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियाँ निहित हैं। यह न तो पूरी तरह विज्ञान है न मात्र कला, बल्कि दोनों का सशक्त संयोजन है, जो मानवता के आत्मबोध का दर्पण बनता है